सामाजिक स्तरण के प्रकार्य
(Functions of Social Stratification)

जॉनसन ने स्तरण के कई प्रकार्य बताए है जो निम्नलिखित है! —

प्रकार्य (Functions)

(1) जॉनसन ने बताया है कि स्तरण लोगो को जीवन में कठिन-से-कठिन काम करने के लिए प्रेरित करता है। समाज में साधारण-से साधारण व्यक्ति नहीं चाहता है कि वह समाज के ऊँचे स्तर पर पहुँचे जिसके लिए उसे स्वाभाविक रूप से कठिन परिश्रम करना होता है। किसी उपलब्धि के अभाव में निम्न एवं मध्यम स्तर का व्यक्ति कभी भी उच्च श्रेणी को प्राप्त नहीं कर सकता है।

(2) समाज में व्यक्तियों की बहुत सारी आवश्यकताएं होती है और उसी के अनुसार विभिन्न किस्म के पेशों की व्यवस्था होती है। इस तरह से समाज में श्रम-विभाजन को बढ़ावा मिलता है। लोग अपने गुणों एवं योग्यता के आधार पर अपने कार्यों का निष्पादन करते है। इस प्रकार स्तरण समाज में व्यक्ति की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

(3) विभिन्न पदो के लिए विभिन्न प्रकार के पुरस्कार की व्यवस्था होती है। जो लोग बहुत अच्छा काम करते है समाज उनकी प्रशंसा करता है एवं उन्हें ऊँचे-से-ऊँचा स्थान देकर अधिक-अधिक सम्मान देने की कोशिश

करता है। महात्मा गाँधी को 'राष्ट्रपिता', वल्लभभाई पटेल को 'सरदार', डॉ राजेन्द्र प्रसाद को देशरत्न, जय प्रकाश जी को लोकनायक इत्यादि सम्मानजनक उपाधि कुछ ऐसे ऐतिहासिक उदाहरण है, जिससे यह सीख मिलती है कि हम सभी को अच्छे से अच्छा काम करना चाहिए।

(4) स्तरण के द्वारा समाज को बढ़ावा मिलता है। चूंकि स्तरण का आधार व्यक्तियों की वस्तुनिष्ठ उपलब्धि होती है। इसलिए विभिन्न वर्गों के लोग एक दूसरे के साथ सहयोग करने की कोशिश करते है। लोगों को इस बात का संतोष रहता है कि उससे ऊपर का व्यक्ति उससे ज्यादा योग्य एवं सक्षम है। यदि लोग मनमाने ढंग से समाज में उच्च श्रेणी में स्थापित होने की कोशिश करे तो समाज मे क्षोभ और संघर्ष की स्थिति बनी रहेगी। समाज सुचारू रूप से नहीं आगे बढ़ पाएगा।

(5) स्तरण के द्वारा समाज में शक्ति संतुलन बना रहता है। जिन लोगों के पास जितना अधिक अधिकार होता है वे उतने ही ऊंचे पदों पर होते है। प्रभावशाली व्यक्तियों की यही कोशिश होती है कि समाज में गलत लोगों का दबदबा इतना अधिक न हो कि अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो।